# HRA an USIUA The Gazette of India

# असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

शाधकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

#i∘ 365] No. 365] नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 4, 1986/श्रावण 13, 1908

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 4, 1986/SRAVANA 13, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रसा जा सके

Separate Pagirty is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1986

अधिसुचनाएं

मं. 401/सीमाशुल्क/86

ना का नि 996(३) :—केन्द्रीय सरकार, सीमाश्रुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं 262-सीमाश्रुल्क तारोख 16 अगस्त, 1985 में और निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात:—

उक्त अधिसूचना में, पैरा 3 क के पश्चात् निम्नलिखित पैरा ग्रंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

" 3ख. इस अधिसूचना में किसी बात के होते हुए भी, सीमाशुल्क कलक्टर जोन में उत्पादित या विनिर्मित या पैक किए गए किसी उत्पाद-जुल्क्य माल को जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को नमूने के रूप में प्रदर्शन के प्रयोजनों के लिए ले जाने की अनुज्ञा केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ग्रीर नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन ऐसे उत्पाद-शुल्कय माल पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क का संदाय करने पर, ऐसी शर्तों ग्रीर निर्बधनों के अधीन रहते हुए दे सकता है जो जोन के विकास आयुक्त द्वारा इस निमित विनिर्दिष्ट की जाएं:

परन्तु जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को तसूने के रूप में प्रवर्शन के प्रयोजनों के लिए ने जाने के लिए अनुज्ञात किए गए उत्पाद-शुल्क माल की मात्रा और समय-समय पर यथासंशोधित आधात तथा निर्यात नीति अप्रैल, 1985 से मार्च, 1988, भाग (1) (जो भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की लोक सूचना सं. 1-आई टी सी (पी एन)/85-88, तारीख 12 जुलाई. 1985 में प्रकाशित की गई थी) के अनुसार, जोन में किसी यूनिट की बाबत, विकय के प्रयोजनों के लिए जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाने के लिए अनुज्ञात किए गए उत्पाद-शुल्क्य माल की मात्रा, किसी एक वित्तीय वर्ष में, उक्त आयात तथा निर्यात नीति में संबंधित उत्पाद-शुल्क्य माल के ऐसे विकय के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट मात्रा से अधिक नहीं होगी।"

[सं. 401/सीमाशुल्क/86फा. सं. 305/35/85-एफटीटी]

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 4th August, 1986

#### NOTIFICATIONS

No. 401-CUSTOMS 86

G.S.R. 996 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 262-Customs, dated the 16th August, 1985. namely:—

In the said notification, after paragraph 3A, the following paragraph shall be inserted, namely:—

"3B. Notwithstanding anything contained at this notification, the Collector of Customs may allow any excisable goods produced or manufactured or packaged within the Zone, to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples subject to such conditions and restrictions as may be specified by the Development Commissioner of the Zone in this behalf, on payment of the duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excises and Sah Act, 1944 (1 of 1944):

Provided that, the quantity of the excisable goods, so allowed to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples togethe: with the quantity of excisable goods allowed to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of sale under ind in accordance with the Import and Export Policy for April, 1985—March, 1988 Volume (1) (published with the Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-UTC (PN)-85-88, dated the 12th April, 1985), as amended from time to time, in respect of any unit in the Zone shall not, in any lipancial year, exceed the limit specified in the said Import and Export Policy for the purposes of such sale of the excisable goods concerned."

[No. 401-Customs 86-F. No. 305|35|85-FTT.]

#### स. ४०2/सीमाणुल्क/ ८६

सा.का.नि. 497(अ) — केन्द्रीय सरकार, सीमाणुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (!) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए. यह समाधान हो जाने पर कि लोक हिन में ऐसा करना आवण्यक है, भारत सरकार के विन्त मेवालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 263-सीमाणुल्क तारीख 16 अगस्त, 1985 में निम्नलिखित और संशोधन करनी है. अर्थान् :—

उक्त अश्रिभुवना में. पैरा 3 क के पश्चात् निस्नलिखित पैरा ग्रतः स्थापित किया जाएगा, अर्थोत्:—

"अख. इस अधिसूचना में किसी बात के होते हुए भी, सीमाणुक्क कलक्टर जोन में उत्पादित या विनिधित या पैक किए गए किसी उत्पाद- शुक्क्य माल को जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को कि के रूप में प्रदर्शन प्रयोजनों के लिए ले जाने की अनुजा केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क्य और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) को धारा 3 के अधीन ऐसे उत्पाद-शुक्क्य माल पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुक्क का संदाय करने. पर, ऐसी भर्ती और निर्वन्धनों के अधीन रहते हुए दे सकता है जो जोन के विकास आयुक्त द्वारा इस निमित विनिर्दिप्ट की जाएं;

परन्तु जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को नमूने के रूप में प्रदर्शन के प्रयोजनों के लिए ले जाने के लिए अनुजात किए गए उत्पाद-शुल्बय माल की मान्ना और समय-समय पर यथा संशोधित आयात तथा निर्यात नीति अप्रैल, 1985 से मार्च, 1988, भाग (1) (जो भारत सरकार के वाणिख्य मंत्रालय की लोक सूचना सं. 1-आई टी नी (पी एन)/85-88, तारीख 12 जुलाई, 1985 में प्रकाशित की गई थी) के अनुमार, जोन में किमी यूनिट की बाबत विक्रय के प्रयोजनों के लिए जोन के बाहर भारत में किमी अन्य स्थान को ले जाने के लिए अनुजात किए गए उत्पाद-शुल्क्य माल की मान्ना, किसी एक विनीय वर्ष में, उक्त आयात तथा निर्यात नीति में संबंधित उत्पाद-शुल्क्य माल के ऐसे विक्रय के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिण्ट मान्ना से अधिक नहीं होगी। ''

[म., 402 मीनाग्ल्क/86 फा. सं 305/84/85-एफ. टी. टी.]

#### No. 102-CUSTOMS/86

G.S.R. 997 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25,61 the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Gazernment, being satisfied that it is necessary in the public-interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance. Department of Revenue, No. 263-Customs, dated the 16th August, 1985, namely (—

In the said notification, after—paragraph 3 \text{\text{\text{a}}} the following paragraph shall be inserted, namely :—

"3B. Notwithstanding anything contained in this notification, the Collector of Customs may allow any excisable goods produced or manufactured or packaged within the Zone, to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples subject to such conditions and restrictions as may be specified by the Development Commissioner of the Zone in this behalf, on payment of the duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excises and Sal. Act, 1944 (1 of 1941)

Provided that, the quantity of the excisable goods, so allowed to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples together with the quantity of excisable goods allowed to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of sale under and in accordance with the Import and Export Policy for April, 1985—March, 1988 Volume, (I) (published with the Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC (PN) [85-88, dated the 12th April, 1985), as amended from time

to time, in respect of any unit in the Zone shall not, in any financial year, exceed the limit specified in the said Import and Export Policy for the purposes of such sale of the excisable goods concerned."

[No. 402-Customs]86-F. No. 305[84]85-FTT.]

### सं. 403/सीमाणुल्क/86

सा.का. ित. 998(अ):—केन्द्रीय मरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह समाधान हो जाने पर िक लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 227—सीमाशुल्क, तारीख 30 नवम्बर, 1979 में निम्नलिखित ग्रीर संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, पैरा 1ख के पश्चात् निम्नलिखित पैरा ग्रंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :---

"1म. इस अधिसूचना में किसी बात के होते हुए भी, सीमाणुरूक कलक्टर जोन में उत्पादित या विनिर्मित या पैक किए गए किसी उत्पाद शुल्क्य माल को जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को नमूने के रूप में प्रदर्शन के प्रयोजनों के लिए ले जाने की अनुज्ञा केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन ऐमे उत्पाद-शुल्क्य माल पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क का संदाय करने पर, ऐसी शनौं और निर्वन्धनों के अधीन रहने हुए दे सकता है जो जोन के विकाम आयुक्त द्वारा इम निमित विनिर्दिष्ट की जाएं"

परन्तु जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को नमूने के रूप में प्रदर्शन के प्रयोजनों के लिए ले जाने के लिए अनुज्ञात, किए गए उत्पाद-शुक्य माल की माला और ममय-समय पर यथासंभोधित आयात तथा निर्यात नीति अप्रैल, 1985 से मार्च, 1988, भाग (1) (जो भारत मरकार के वाणिज्य मंत्रालय की लोक मूचना सं. 1-आई टी मी (पीएन)/85-88, तारीख 12 जुलाई, 1985 में प्रकाशित की गई थी) के अनुमार, जोन में किसी यूनिट की बाबल, विकय के प्रयोजनों के लिए जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाने के लिए अनुज्ञात किए गए उत्पाद-शुक्वय माल की माला, किसी एक वित्तीय वर्ष में, उक्त आयात तथा निर्यात नीति में संबंधित उत्पाद-शुक्वय माल के ऐसे विकय के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिण्ट माला से अधिक नहीं होगी। '

[मं. 403 सीमाणुरक/86 फा. मं. 305/67/86-एफ.टी.टी.]

#### No. 403-CUSTOMS|86

G.S.R. 998 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (I) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 227-Customs, dated the 30th November, 1979, namely:—

In the said notification, after paragraph 1B, the following paragraph shall be inserted, namely:

"1C. Notwithstanding anything contained in this notification, the Collector of Customs may allow any excisable goods produced or manufactured or packaged within the Zone, to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples subject to such conditions and restrictions as may be specified by the Development Commissioner of the Zone in this

behalf, on payment of the duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944):

Provided that, the quantity of the excisable goods, so allowed to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples together with the quantity of excisable goods allowed to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of sale under and in accordance with the Import and Export Policy for April, 1985—March, 1988 Volume, (I) (published with the Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC (PN) |85-88, dated the 12th April, 1985), as amended from time to time, in respect of any unit in the Zone shall not, in any financial year, exceed the limit specified in the said Import and Export Policy for the purposes of such sale of the excisable goods concerned."

[No. 403-Customs 86-F. No. 305 67 86-FTT.]

#### सं. 404/सीमाशुल्क/86

मा.का.िन. 999(x):—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए, यह ममाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 340—सीमाशुल्क, तारीख 13 जून, 1986 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:——

उक्त अधिसूचना में, पैरा 4 के पश्चात् निम्नलिखित पैरा ग्रंत: स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"कि इम अधिमूचना में किसी बात के होंने हुए भी, सीमाशुल्क कलक्टर जोन में उत्पादिन या विनिर्मित या पैक किए गए किसी उत्पाद- शुल्क्य माल को जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को तमूने के रूप में प्रदर्शन के प्रयोजनों के लिए ले जाने की अनुज्ञा केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क और तमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन ऐसे उत्पाद-शुल्क्य माल पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क का संदाय करने पर, ऐसी अतीं और निर्वन्धनों के अधीन रहते हुए दे सकता है जो जान के विकास आयुक्त हारा इस निमित विनिर्दिष्ट की जाएं:

परन्तु जांन के वाहर भारत में किसी अन्य स्थान को नम्ने के रूप में प्रदर्शन के प्रयोजनों के लिए ले जाने के लिए अनुज्ञात किए गए उत्पाद-शुक्वय माल की मान्ना ग्रांर समय-समय पर यथासंशोधित आयात तथा निर्यात नीति अप्रैल, 1985 में मार्च, 1988, भाग (1) (जो भारत सरकार के वाणिज्य मन्नालय की लांक सूचना सं. 1-आई टी मी (पी एन)/85-88, तारीख 12 जुलाई, 1985 में प्रकाणित की गई थी) के अनुसार, जोन में किसी युनिट की बाबन, विशय के प्रयोजनों के लिए जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाने के लिए अनुज्ञात किए गए उत्पाद-शुक्वय माल की मान्ना, किसी एक विनीय वर्ष में, उक्त आयात तथा निर्यात नीति में मंबंधित उत्पाद शुक्वय माल के ऐमे विशय के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट मान्ना में अधिक नहीं होगी।"

[मं. 404 मीमाश्<sub>लक/86</sub> फा.स. 305/32/86-एफ.टी.टी.]

#### No. 404-CUSTOMS | 86

G.S.R. 999 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Depart-

ment of Revenue, No. 340-Customs, dated 13th June. 1986, namely :\_\_

In the said notification, after paragraph 4, the following paragraph shall be inserted, namely:

"1A. Notwithstanding anything contained in this notification, the Collector of Customs may allow any excisable goods produced or manufactured or packaged within the Zone, to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples subject to such conditions and restrictions as may be specified by the Development Commissioner of the Zone in this behalf, on payment of the duty of excist leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excises and Salt Act. 1944 (1 of 1944):

Provided that, the quantity of the excisable goods, so allowed to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples together with the quantity of excisable goods to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of sale under and in accordance with the Import and Export Policy for April, 1985—March, 1988 Volume (I) (published with the Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC (PN) |85-88, dated the 12th April, 1985), as amended from time to time, in respect of any unit in the Zone shall not, in any financial year, exceed the limit specified in the said Import and Export Policy for the purposes of such sale of the excisable goods concerned."

No. 404 Custonis 86-F. No. 305 32 86-FTT.

सं. 405/सीमाशुल्क/86

सा का. नि. 1000(अ):—केन्द्रीय सरकार, सीमाशु त्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 339-सीमाशु तक द्वारीख 21 नवम्बर, 1985 में निम्नलिखित ग्रीर संशोधन करती है अर्थात्:—

उक्त<sup>ं</sup>अधिसूचना में, पैरा 3क के पश्चात् निम्नलिखित पैरा ग्रंत. स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :---

"अखं इस अधिसूचना में किसी बात के होते हुए भी. सीमाशुल्क कलक्टर भीन में उत्पादित या विनिर्मित या पैक किए गए किसी उत्पाद-शुल्कय मान को जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को नमूने के रूप में प्रदर्शन के प्रयोजनों के लिए ले जाने की अनुजा केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क भीर नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन ऐसे उत्पाद-शुल्कय माल पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क का संदाय करने पर, ऐसी शर्ती और निर्वन्धनों के अधीन रहते हुए दे सकता है जो जोन के विकास आयुक्त द्वारा इस निमित विनिर्दिष्ट की जाएं:

परन्तु जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को नमूने के रूप में प्रदर्शन के प्रयोजनो के लिए ले जाने के लिए अनुज्ञात किए गए उत्पाद-शुक्य माल की माल्रा श्रीर समय-समय पर यथासं धित आयात तथा निर्यान नीति—अप्रैल, 1985 से मार्च, 1988, भाग (1) (जो भारन सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की लोक सूचना सं. 1—आई टी मी (पी एन)/85—88. तारीख 12 जलाई, 1985 में प्रकाशित की गई थी) के अनुसार, जोन में किसी यूनिट की बाबत विकय के प्रयोजनों के लिए जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाने के लिए अनुज्ञात किए गए उत्पाद-शुक्य माल की माल्रा, किसी एक वित्तीय वर्ष में, उक्त आयात तथा निर्यात नीति में संबंधित उत्पाद-शुक्य माल के ऐसे विकय के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट माल्रा में अधिक नहीं होगी।"

[सं. 405 सीमाणुल्क/86 फा. स. 305/37/85-गफ़. टी. टो.] संदीप ओशी. अवर सचिव

#### No. 405-CUSTOMS|86

G.S.R. 1000 (E):—In exercise of the powers conlerred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 339-Customs, dated the 21st November, 1985, namely:—

In the said notification, after paragraph 3A, the following paragraph shall be inserted, namely:—

"3B. Notwithstanding anything contained in this notification, the Collector of Customs may allow any excisable goods produced or manufactured or packaged within the Zone, to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples subject to such conditions and restrictions as may be specified by the Development Commissioner of the zone in this behalf, on payment of the duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excises and Salt Act 1944 (1 of 1944):

Provided that, the quantity of the excisable goods, so allowed to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples together with the quantity of excisable goods to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of sale under and in accordance with the Import and Export Policy for April, 1985—March, 1988 Volume (I) (published with the Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC (PN) [85-88, dated the 12th April, 1985), as amended from time to time, in respect of any unit in the Zone shall not, in any financial year, exceed the limit specified in the said Import and Export Policy for the purposes of such sale of the excisable goods concerned."

[No. 405-Customs|86-F. No. 305|37|85-FTT.] SANDEEP JOSHI, Under Secy.